गौमाता राष्ट्रमाता
स्वतः स्फूर्त गौ-प्रतिष्ठा आन्दोलन

हिंदी दैनिक
# राष्ट्रीय स्वाभिमान

RNI No.: MAHHIN/2008/24084 ■ www.rashtriyaswabhimaan.com

● वर्ष : 17 ● अंक : 228 ● मुंबई, गुरुवार, 6 मई 2026 ● पृष्ठ : 4 ● मूल्य 1 रुपए

### बंगाल में हिंसा जारी

## बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

कोलकाता। पश्चिम बंगाल बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि देर रात मध्यमग्राम में उन पर चार राउंड फायरिंग की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चंद्रनाथ के सीने में तीन गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार चला रहे उनके ड्राइवर को भी गोली लगी है, जिनका एसएसकेएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। चंद्रनाथ, सुवेंदु के काफी करीबी थे। पिछले पांच साल से उनके साथ साये की तरह रह रहे थे।

बताया जा रहा है कि चंद्रनाथ को मध्यमग्राम में उस वक्त निशाना बनाया गया, जब वो किसी काम के सिलसिले में अपनी कार से जा रहे थे। कार उनका ड्राइवर चल रहा था। चश्मदीदों का कहना है कि हमलावरों ने बेहद करीब से गोलियां चलाईं, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उधर, अपने पीए की हत्या की खबर मिलते ही सुवेंदु अधिकारी मध्यमग्राम के लिए निकल चुके हैं। पुलिस के बड़े अधिकारी पहुंच गए हैं।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, पॉइंट ब्लेंक रेंज से गोली मारी गई है। सबसे पहले चंद्रनाथ की कार को मध्यमग्राम के दोहड़िया के पास रोका गया। इसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने उसी ओर फायरिंग करनी शुरू कर दी, जिस ओर वो बैठे थे। बताया जा रहा है कि चंद्रनाथ चंदिताला के रहने वाले थे और फिलहाल मध्यमग्राम में रह रहे थे।

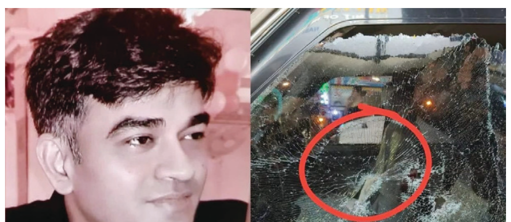

कार की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें शीशे पर गोलियों के निशान दिख रहे हैं। यह भी पता चला है कि बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी।

### कौन थे चंद्रनाथ रथ?

चंद्रनाथ रथ सुवेंदु के करीबी थे। सुवेंदु की ओर से किसी से भी संवाद करना हो या बैठकों की देखरेख करना हो, इसकी जिम्मेदारी चंद्रनाथ ही संभालते थे। अभी खत्म हुए चुनाव के दौरान सुवेंदु के सभी व्यक्तिगत और राजनीतिक मामलों का प्रबंधन इन्होंने ही किया। वो अधिकारी के साथ साये की तरह रहते थे।

### हमलावरों की तलाश शुरू

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरे इलाके की नाकेबंदी करके हमलावरों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। उधर, बीजेपी के कई नेता घटनास्थल पर पहुंचे हैं। इनमें कौस्तव बागची, पीयूष कनड़िया, शंकर घोष और शंकर चटर्जी शामिल हैं। पूरे इलाके में भारी तनाव का माहौल है।

## डिसमिस करना है तो करो, लेकिन नहीं दूंगी इस्तीफा

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दो टूक लहजे में कहा है कि डिसमिस करना है तो करो लेकिन इस्तीफा नहीं दूंगी। वह अपने इस फ़ैसले पर पूरी तरह अड़ी हुई हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। कल से लगातार हो रही आलोचना और हैरानी के बीच उन्होंने बुधवार को कहा, ₹भले ही वे मुझे हटा दें। मैं चाहती हूँ कि यह एक काला दिन बने।₹ आज अपने विधायकों के साथ हुई एक बैठक में बनर्जी ने कहा कि पार्टी 29 अप्रैल से जारी चुनाव के बाद की हिंसा के ख़िलाफ कोर्ट जाएगी। ममता ने पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों की अपने कालीघाट स्थित घर पर बैठक बुलाई थी, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। इसी बैठक में उन्होंने हालिया पश्चिम बंगाल चुनाव के जनादेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का अपना इरादा जाहिर किया। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। ममता ने BJP पर चुनावी धांधली के गंभीर आरोप भी लगाए और कहा कि BJP ने धांधली कर और सीट चोरी करराज्य में 200 से ज़्यादा सीटों की ज़बरदस्त बहुमत हासिल की है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने के आरोप लगाए।

ममता खुद लड़ेंगी केस, चंद्रिमा भट्टाचार्य देंगी साथ

अदालती लड़ाई की ओर अपने रुख में बदलाव की घोषणा करते हुए, बनर्जी ने कहा कि वह और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (जो इस साल का चुनाव हार गई हैं), चंद्रिमा भट्टाचार्य, चुनाव जनादेश को चुनौती देने के लिए अदालतों में अपनी वकालत फिर से शुरू करेंगी। बनर्जी ने यह भी ज़ोर देकर कहा कि स्थानीय चुनावों में झटका लगने के बावजूद, उनकी नजरें दिल्ली में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने पर टिकी हैं।

### ममता की दो टूक

### ममता अपने फैसले पर अडिग

ममता ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देने के अपने फैसले को जान-बूझकर किया गया एक विरोध प्रदर्शन बताया है। उन्होंने कहा किवह इसके ज़रिए उस जनादेश का विरोध कर रही हैं जिसे भाजपा ने जबरदस्ती चुराया है। उन्होंने एक दिन पहले हुई अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इसी बात का ज़िक्र किया था। तृणमूल के महासचिव अभिषेक बनर्जी भी इस बैठक में मौजूद थे। उन्होंने भी अपनी बुआ की भावना को दोहराया। उन्होंने कथित तौर पर धांधली वाले बंगाल के जनादेश के ख़िलाफ़ एक वैध विरोध प्रदर्शन के तौर पर अपने पदों पर बने रहने को सही ठहराया। उन्होंने पार्टी नेताओं से आग्रह किया कि वे अपने पिछले पदों से इस्तीफा न दें।

**सभी फैसले ममता बनर्जी पर निर्भर**

पार्टी के प्रवक्ता और बेलियाघाट से विधायक कुणाल घोष ने कहा कि उनकी भविष्य की जिम्मेदारियों से संबंधित सभी फैसले ममता बनर्जी पर निर्भर करते हैं। घोष ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, किसे क्या जिम्मेदारी और काम दिया जाएगा, यह पूरी तरह से ममता दीदी के फैसले पर निर्भर करेगा। हम सभी उनके फैसले को मानने के लिए बाध्य होंगे। वह जो भी फैसला लेंगी, वह अंतिम होगा।

## ममता की बैठक से 11 विधायक रहे नदारद

कोलकाता। बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत के बीच चुनाव नतीजों के दो दिन बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा बुधवार शाम बुलाई गई नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों की पहली बैठक में ही करीब 11 विधायक शामिल नहीं हुए। जिसके बाद सियासी अटकलें तेज हो गई है।

चुनाव में तृणमूल की करारी हार के बीच ममता के कालीघाट स्थित आवास पर हुई इस अंदरुनी बैठक से जीत दर्ज करने वाले पार्टी के 80 में से करीब 11 विधायकों की अनुपस्थिति ने दल के भीतर संभावित असंतोष और अंदरूनी खींचतान की चर्चाओं को हवा दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, जिन नवनिर्वाचित सदस्यों ने बैठक में हिस्सा नहीं लिया, उनमें मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी से विधायक बायरन विश्वास का नाम भी शामिल है। बायरन विश्वास का बैठक में न पहुंचना खास तौर पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि हाल के दिनों में उनके रुख को लेकर पहले से ही अटकलें लगाई जा रही थीं। बैठक से नदारद रहने वाले बाकी तृणमूल विधायकों के नामों का फिलहाल पता नहीं चला है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोस को मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत, MCOCA मामले में नहीं मिली राहत

**आर एस नेटवर्क। संवाददाता**

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार( 5 मई) को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोस को 200 करोड़ की जबरन वसूली के मामले में ED द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस में ज़मानत दे दी। हालांकि, लीना को अभी जेल में ही रहना पड़ेगा क्योंकि कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (EOW) द्वारा महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCOCA) के तहत दर्ज एक संबंधित मामले में उनकी ज़मानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस प्रतीक जालान ने मंगलवार को लीना पॉलोस की दो मामलों में दायर ज़मानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। इस दौरान कोर्ट ने MCOCA के तहत मामले में ज़मानत याचिका खारिज कर दी है, वहीं दूसरे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इसे मंज़ूरी दी। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने आरोप लगाया था कि लीना पॉलोस के पति चंद्रशेखर ने रैनबैक्सी के पुराने प्रमोटरों (शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह) की पत्नियों से 200 करोड़ ठगे थे।चंद्रशेखर पर आरोप है कि उसने खुद को लॉ मिनिस्ट्री का ऑफिसर बताया था और दोनों महिलाओं ने अपने पतियों की बेल दिलाने के लिए चंद्रशेखर को कई करोड़ रुपए दिए थे। चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोस पर भी इस कथित जुर्म में शामिल होने का आरोप था।

### आतंकी हमले की साजिश रचने वाले दो युवकों को एटीएस ने पकड़ा

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

लखनऊ। यूपी एटीएस ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी पाकिस्तान गैंगस्टरों और आईएसआई एजेंट के संपर्क में थे। आरोपी देश के संवेदनशील संस्थानों, पुलिस ठिकानों और सुरक्षाबलों पर हमले के साजिश रच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों में कुशीनगर निवासी कृष्णा मिश्रा (20) और बाराबंकी निवासी दानियाल अशरफ (23) शामिल है। एटीएस के मुताबिक दोनों संदिग्ध आतंकी पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे, जो आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे थे।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन में पाकिस्तानी नंबर सेव मिले हैं। सोशल मीडिया के जरिए इनकी वीडियो कॉलिंग और वॉइस नोट्स के साक्ष्य भी मिले हैं। व्हाट्सएप ग्रुप कॉल के जरिए संदिग्ध विदेशी नंबरों से बातचीत कर देशविरोधी साजिशें रची जा रही थीं।

### बंगाल में नई सरकार की तैयारियां शुरू 9 मई को BJP का शपथ समारोह

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शपथ समारोह में प्रधानमंत्री, एनडीए व भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। दो दर्जन मंत्री भी शपथ लेंगे। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता धारी दल तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल लंबे शासन का अंत हो गया है।

## बाणगंगा के संरक्षक व मुंबई मनपा के पूर्व नगर सेवक रॉकी जोसेफ क्रास्टो का निधन

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

मुंबई। बाणगंगा क्षेत्र की पहचान और विरासत को संजोने वाले वरिष्ठ समाजसेवी और पूर्व नगरसेवक रॉकी जोसेफ क्रास्टो का 27 अप्रैल 2026 को निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे। उनके निधन से बाणगंगा समेत पूरे मुंबई के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

5 सितंबर 1946 को जन्मे रॉकी क्रास्टो ने अपने जीवन के पांच दशकों से अधिक समय बाणगंगा क्षेत्र की स्वच्छता, संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर को बचाने में समर्पित किया। स्थानीय लोगों के बीच उन्हें बाणगंगा का सच्चा प्रहरी और संरक्षक माना जाता था। 1970 और 1980 के दशक में जब यह ऐतिहासिक स्थल उपेक्षा और गंदगी का शिकार हो रहा था, तब उन्होंने स्वयं आगे बढ़कर सफाई और

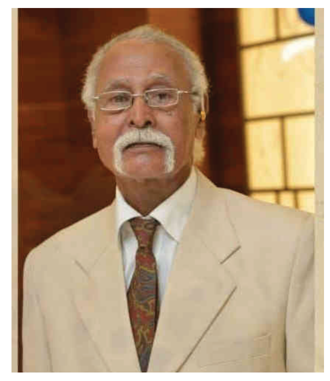

संरक्षण अभियान का नेतृत्व किया, जिससे इस धरोहर को नई पहचान मिली।

वे मुंबई महानगरपालिका में पांच बार नगरसेवक रहे और हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी। उनका जीवन समाजसेवा, समर्पण और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का प्रेरक उदाहरण रहा है।

परिवार में वे अपने पुत्र क्लाइड क्रास्टो( एनसीपी-शरतचंद्र पवार पार्टी के सचिव व प्रवक्ता), पुत्री कैरोलिन क्रास्टो, बहू शांति क्रास्टो और पोते विवान क्रास्टो को छोड़ गए हैं। परिवार और करीबियों के अनुसार, वे हमेशा समाज और लोगों की भलाई के लिए तत्पर रहते थे और कई मौकों पर लोगों की मदद के लिए आगे आए। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रॉकी क्रास्टो का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

रॉकी क्रास्टो के जाने से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा बाणगंगा क्षेत्र अपने एक सच्चे संरक्षक और हितैषी को खो बैठा है।

## यमुना नदी में नाव पलटी

### 6 लोगों के डूबने की आशंका... सर्च ऑपरेशन जारी

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बुधवार रात यमुना नदी में नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। नाव में सवार 9 लोगों में से 6 के डूबने की आशंका जताई जा रही है। सभी लोग तरबूज लेने के लिए नदी पार कर रहे थे, तभी यह उनकी नाव पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया।

जानकारी के मुताबिक, कुरारा थाना क्षेत्र के भौली गांव के मजरा कोतुपुर पटिया में मंगलवार को श्रीपाल की बेटी की शादी थी। बुधवार को विदाई के बाद शाम के समय परिजन और रिश्तेदार यमुना नदी पार कर तरबूज खाने गए थे। वापसी के दौरान नाव चला रहा युवक मोबाइल पर बात करने लगा, जिससे नाव का संतुलन बिगड़ गया और नाव पलट गई। नाव में सवार सभी लोग नदी में गिर गए।

हादसे के बाद किसी तरह तीन लोग तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं। बाहर निकाले गए घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से दोनों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

**यमुना नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी**

वहीं घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। SDM अभिषेक कुमार और सीओ राजेश कमल समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा। गोताखोरों की टीम के साथ-साथ NDRF को भी बुलाया गया है और नदी में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और अफरा-तफरी का माहौल है। जिन परिवारों के सदस्य लापता हैं, उनके घरों में कोहराम मचा हुआ है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द से जल्द सभी लापता लोगों की तलाश की जाएगी।

**कौन-कौन नाव पर सवार था?**

हादसे वाली नाव पर 9 वर्षीय रानी पुत्री बच्चन निषाद, 9 वर्षीय आकांक्षा पुत्री रामहेत निवासी जलाला, 25 वर्षीय ब्रजरानी पत्नी पप्पू निवासी मनकी, 5 वर्षीय लव्यांश पुत्री विष्णु मनकी, 5 वर्षीय गोरेलाल पुत्र महेश निवासी घाटमपुर, 11 वर्षीय आदित्य पुत्र महेश निवासी घाटमपुर, विष्णु पुत्र रामस्वरूप, रिंकू पुत्री राजू, पारुल पुत्री बउआ सवार थे। इनमें से तीन लोग तैरकर बाहर निकल आए, जबकि 6 यमुना नदी में डूब गए।

## लोकभवन में RTI पर 'लीपापोती' का गंभीर आरोप

### अधूरी जानकारी और देरी से जवाब और प्रशासनिक पारदर्शिता पर लगा प्रश्नचिन्ह

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

मुंबई। महाराष्ट्र के लोकभवन से जुड़ा एक RTI मामला अब गंभीर विवाद का रूप ले चुका है। राज्यपाल के प्रशासनिक अधिकारियों पर RTI के जवाब में "लीपापोती" करने के आरोप लगे हैं, जिससे पूरे प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। RTI आवेदक गिरीश केशवराम मिश्रा ने दावा किया है कि उन्हें मांगी गई जानकारी देने के बजाय भ्रामक, अधूरी और देरी से सूचना दी गई।

आवेदक के अनुसार, उन्होंने 28 मार्च 2023 के सरकारी निर्णय (GR) को निरस्त करने वाली आधिकारिक अधिसूचना की प्रमाणित प्रति मांगी थी, लेकिन इसके स्थान पर लोकभवन सचिवालय ने एक आंतरिक "गाइडलाइन" पत्र भेज दिया। यह दस्तावेज ADC स्तर से जारी बताया गया है, जिससे यह संदेह और गहरा हो गया है कि क्या बिना वैध अधिसूचना के ही नियमों में बदलाव कर दिया गया।

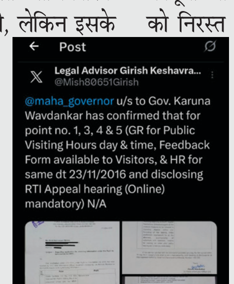
Post
Legal Advisor Girish Keshavra...
@Mish80651Girish
@maha_governor u/s to Gov. Karuna Wavdankar has confirmed that for point no. 1, 3, 4 & 5 (GR for Public Visiting Hours day & time, Feedback Form available to Visitors, & HR for same dt 23/11/2016 and disclosing RTI Appeal hearing (Online) mandatory) N/A

विवाद तब और बढ़ गया जब RTI के कई महत्वपूर्ण सवालों पर "Not Available" लिखकर जवाब दे दिया गया। बिना यह स्पष्ट किए कि जानकारी उपलब्ध नहीं है या जानबूझकर रोकी जा रही है, इस तरह का जवाब पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस मामले में समय-सीमा का उल्लंघन भी सामने आया है। RTI आवेदन 27 मार्च 2026 को दाखिल किया गया था, जबकि जवाब 4 मई को भेजा गया और 6 मई को प्राप्त हुआ। यह RTI कानून में तय 30 दिन की सीमा के बाद का जवाब है, जिसे नियमों की अनदेखी माना जा रहा है।

कानूनी जानकारों का कहना है कि यदि किसी GR को निरस्त करने वाली वैध अधिसूचना मौजूद नहीं है, तो वह GR अब भी प्रभावी माना जाएगा। ऐसे में लोकभवन प्रशासन की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर और भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आवेदक ने 5 मई 2026 को इस मामले में प्रथम अपील दायर कर दी है और साफ संकेत दिया है कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो वह मामला महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग तक ले जाएंगे। इस बीच यह मुद्दा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भी तेजी से फैल रहा है, जहां राज्यपाल को टैग कर पारदर्शिता की मांग उठाई गई है।

यह मामला अब केवल एक RTI विवाद नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता बनाम जवाबदेही की बड़ी लड़ाई बनता जा रहा है। अब सबकी नजरें अपील प्रक्रिया पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि सच्चाई सामने आती है या नहीं।

## बंगाल के लिए सड़क पर क्यों नाचा ब्रिटिश नेता

**आर.एस.नेटवर्क। संवाददाता**

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद एक ब्रिटिश नेता ब्रिटेन की सड़कों पर खड़े होकर नाचने लगे। इस तस्वीर ने ब्रिटेन में हलचल मचा दी है। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को जश्न मनाता देख पाकिस्तान और बांग्लादेश छाती पीट कर रो रहे हैं। विदेशी मीडिया भी यह नहीं पचा पा रही कि बीजेपी बंगाल में कैसे जीत सकती है। कैसे पीएम मोदी और ताकतवर हो सकते हैं। बंगाल तो बांग्लादेश बनने से बाल-बाल बच गया, लेकिन इंग्लैंड में लगे इस पोस्टर ने बता दिया है कि ब्रिटेन को अब इस्लामिक देश बनने से कोई नहीं रोक सकता। दरअसल एक ब्रिटिश नेता बॉब ब्लैकमैन ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं के साथ बंगाल में बीजेपी की जीत का जश्न मनाते दिखे। पश्चिम बंगाल के नतीजे आते ही बॉब ब्लैकमैन ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं के साथ नाचने लगे। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने खुशी जताई कि बंगाल में बीजेपी आ गई है।

आपको बता दें कि बॉब ब्लैकमैन लगातार ब्रिटेन में रहने वाले हिंदुओं के अधिकारों की बात करते आए हैं। बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में मारे जा रहे हिंदुओं की भी आवाज उठाई थी। लेकिन जिस वक्त बॉब ब्लैकमैन हिंदुओं के साथ नाच रहे थे, ठीक उसी वक्त इंग्लैंड की सड़कों पर कुछ पोस्टर लगे दिखे। बंगाल के चुनावों में तो सनातन की जीत हो गई। लेकिन इंग्लैंड देखिए किस तरफ जा रहा है। 7 मई को लंदन में 5000 से ज्यादा काउंसिल सीटों पर वोटिंग होनी है। यह लंदन में लोकल बॉडी के इलेक्शंस हैं। ब्रिटेन में कट्टर इस्लाम और पाकिस्तानियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे टॉमी रॉबिंसन ने एक तस्वीर डालते हुए लिखा कि मॉडर्न इंग्लैंड में ऐसे चुनाव हो रहे हैं। दरअसल टॉमी रॉबिनसन दिखा रहे हैं कि लोकल बॉडी के चुनावों में पाकिस्तान और दूसरे देशों से आए मुस्लिम कैंडिडेट हावी हो चुके हैं। चुनाव लंदन में है लेकिन लड़ने वाले ज्यादातर शायद पाकिस्तानी मुस्लिम है। कई इलाकों में तो आमने-सामने मुस्लिम कैंडिडेट्स ही हैं। यानी कोई भी जीते लेकिन उस इलाके को मिलेगा मुस्लिम कैंडिडेट ही। अंग्रेजों का तो नामोनिशान तक नहीं है। टॉमी रॉबिनसन से लेकर डॉनल्ड ट्रंप तक बोल चुके हैं कि इस्लाम ब्रिटेन पर हावी हो चुका है। ब्रिटेन में कहीं भी चुनाव हो वहां अब मुस्लिम कैंडिडेट्स ही खड़े होते हैं। ब्रिटेन के कई शहरों में अब मुस्लिम मेयर बन चुके हैं। अब तो ब्रिटेन में शरिया अदालतें तक शुरू हो चुकी हैं।

## संपादकीय

# पश्चिम बंगाल में अब 'बदला' नहीं 'बदलाव' की राजनीति

पश्चिम बंगाल में स्वाधीनता के पश्चात पहली बार है जब भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड और ऐतिहासिक बहुत मिला है। भाजपा ने बंगाल में दो शतक का आंकड़ा पार कर कर एक नई लकीर खींच दी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा को जहां साल 2016 में 3 और 2021 में 77 सीटें मिलीं। वहां 4 मई 2026 को घोषित हुए चुनाव परिणाम में भाजपा ने 206 सीटों के साथ नया अध्याय लिख दिया है। अंततः भाजपा के लिए कभी असंभव माने जाने वाले पश्चिम बंगाल में भगवा लहरा गया है। भाजपा ने ममता बनर्जी के अभेद्य किले को भेदकर वहां अपना विजय का परचम लहरा दिया है। बीजेपी की ये जीत कई मायनों में विशेष है। पश्चिम बंगाल के चुनाव में जिसने भी वहां के जनमानस को देखा, वहां के लोगों के मनोभावों, मुखरता और मौन को देखा। उन्हें ये परिणाम अप्रत्याशित नहीं लगे। क्योंकि 2026 के चुनाव में बंगभूमि में परिवर्तन की लहर सुस्पष्ट दिखाई दे रही थी। हालांकि जिनकी आंखों में वामपंथी, कांग्रेसी और समाजवादी चश्मा लगा था। वो बारंबार ये कह रहे थे कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार नहीं बनेगी।

लेकिन वो भूल गए कि ये वही बंगाल है जहां पूज्य रामकृष्ण परमहंस और उनके शिष्य स्वामी विवेकानन्द हुए। संन्यासी क्रांति हुई। महर्षि अरविन्द हुए। बंकिम बाबू ने वंदेमातरम् की राष्ट्रीय चेतना का जयघोष किया। गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रगान लिखा। स्वदेशी और स्व का गौरवबोध जगाया। वो बंगाल जहां संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार क्रांतिकारियों की अनुशीलन समिति से जुड़े और यहीं उनका नाम 'कोकेन' पड़ा। बंगाल जहां नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जैसे क्रांतिवीर हुए। यही वो भूमि है जहां जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे बलिदानी हुए। वो श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए स्वाधीन भारत की नेहरू कैबिनेट से त्यागपत्र दे दिया। ₹एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे₹ — इस उद्घोष के साथ जम्मू-कश्मीर की मुक्ति का पथ प्रशस्त किया। सत्ता का मोह नहीं किया बल्कि भारतभूमि की अखंडता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्हीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भाजपा ने 2026 में बंगभूमि में नव परिवर्तन का इतिहास रच दिया। ऐसे में पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के गहरे अर्थ हैं। ये कोई सामान्य चुनावी जीत नहीं है।

ये जीत केवल ममता बनर्जी की दमनकारी सत्ता की हार नहीं है।बल्कि ये जीत संगठित राजनीतिक अपराध, तुष्टिकरण, माफिया और कट मनी के पूरे सिंडिकेट और माड्यूल पर जनता का प्रहार है। ये विजय — 'त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी' की जीत है। बंगाल में भाजपा की ये विजय उन असंख्य बलिदानों की विजय है, जिन्होंने अपना जीवन बंगभूमि के 'स्व' के लिए अर्पित कर दिया।ये जीत हिंदुत्व की है।ये जीत राष्ट्रीयता की जीत है। भाजपा की जीत हिंदू समाज की संगठित शक्ति की जीत है। ये विजय वंदेमातरम् की जागृत चेतना का शंखनाद है। ये जीत इस बात का प्रमाण है कि अन्याय, अत्याचार, हिंसा , रक्तपात, आतंक का अंत सुनिश्चित है। भाजपा की ये जीत श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे उन सैकड़ों बलिदानियों की जीत है जिन्होंने राष्ट्रीयता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कई पीढ़ियां जिस संकल्प में खप गईं। वो अब साकार हो चुका है। क्योंकि वहां का समाज संगठित हुआ। बच्चा-बच्चा राष्ट्रीय अस्मिता का ध्वजवाहक बना। उसका परिणाम भाजपा की प्रचंड जीत हुई।

लेकिन ये जीत केवल पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की ही कहानी बयां नहीं कर रही है बल्कि नए समीकरणों की ओर संकेत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीत के बाद 4 मई 2026 को बीजेपी मुख्यालय नई दिल्ली में अपने संबोधन के दौरान जनादेश के लिए न सिर्फ़ आभार जताया। बल्कि उन्होंने सुस्पष्ट कहा कि— " ये जीत भारत के लोकतंत्र और संविधान की जीत है। चुनाव में हार-जीत अलग बात है। लेकिन बदला नहीं बल्कि बदलाव की बात होनी चाहिए।भय नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए।"

इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि— "हिंसा के अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए ख़त्म करें। बंगाल की सेवा के लिए काम करें।विवाद नहीं विकास, विभाजन नहीं विश्वास चाहिए।" वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल के विकास, सुशासन, विकसित भारत के संकल्प को दुहराया। साथ ही ये चेतावनी भी दी कि दोषियों को सज़ा ज़रूर मिलेगी। स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए सत्ता नहीं बल्कि उसकी नीति महत्वपूर्ण है।इसके संकेत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दे दिए हैं।

# चुनाव परिणामों ने दिखाया नया राजनीतिक ट्रेंड, हिंदू भाजपा के साथ, मुस्लिम कांग्रेस की ओर!

> "केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने दस वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की। राज्य में चुने गए 35 मुस्लिम विधायकों में से 30 संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा से संबंधित हैं। इनमें कांग्रेस के आठ और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के 22 विधायक शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए मिला जुला चित्र प्रस्तुत किया है। कुछ राज्यों में पार्टी को निराशा हाथ लगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में उसे उल्लेखनीय सफलता भी मिली। इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पक्ष मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन रहा, जिसने कई राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। खास तौर पर असम और केरलम में कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दलों के मुस्लिम प्रत्याशियों ने प्रभावशाली जीत दर्ज कर यह संकेत दिया है कि इन इलाकों में मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा अभी भी इस गठबंधन के साथ बना हुआ है।

केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने दस वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की। राज्य में चुने गए 35 मुस्लिम विधायकों में से 30 संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा से संबंधित हैं। इनमें कांग्रेस के आठ और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के 22 विधायक शामिल हैं। यह परिणाम बताता है कि राज्य में मुस्लिम मतदाताओं ने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा पर व्यापक भरोसा जताया। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की उम्मीदवार फातिमा तहलिया की जीत विशेष रूप से चर्चा में रही। उन्होंने कोझिकोड जिले की पेराम्ब्रा सीट पर माकपा नेता टीपी रामकृष्णन को पांच हजार से अधिक मतों से हराया। इस जीत के साथ वह पार्टी की पहली मुस्लिम महिला विधायक बन गईं। उनकी सफलता को मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

असम में कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली रहा। पार्टी ने राज्य में 20 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से 18 ने जीत दर्ज की। इसके विपरीत कांग्रेस के अधिकांश गैर मुस्लिम उम्मीदवार हार गए और केवल एक गैर मुस्लिम प्रत्याशी को सफलता मिली। कांग्रेस ने कुल 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुस्लिम उम्मीदवारों की सफलता दर अत्यंत ऊंची रही। कांग्रेस के सहयोगी रायजोर दल को भी दो सीटों पर जीत मिली, जिनमें एक मुस्लिम उम्मीदवार की थी, जबकि दूसरी सीट अखिल गोगोई ने जीती। अखिल गोगोई पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा माओवादी गतिविधियों से जुड़े आरोपों की जांच चल रही है।

असम में कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने भारी अंतर से जीत दर्ज की। गौरिपुर सीट पर कांग्रेस के अब्दुल सोबहान अली सरकार ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार निजानुर रहमान को 19097 मतों से हराया। जलेश्वर सीट पर कांग्रेस के आफताब मोल्ला ने एआईयूडीएफ नेता शेख आलम को 109688 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। समागुरी में तंजिल हुसैन ने भाजपा के अनिल सैकिया को 108310 मतों से हराया। इसके अलावा अलगापुर कटलीछड़ा जैसी सीटों पर भी कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत का अंतर एक लाख से अधिक रहा। इन परिणामों ने यह संकेत दिया कि असम के कई क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाता कांग्रेस के पक्ष में मजबूती से एकजुट हुए।

हालांकि असम में कांग्रेस की इस सफलता के बावजूद एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एआईयूडीएफ को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब स्वयं समाप्त हो गई है। अजमल ने यह भी कहा कि कांग्रेस अब मुस्लिम लीग बन गई है और यह स्थिति उन्हें दुखी करती है। उनका यह बयान असम की राजनीति में मुस्लिम मतों को लेकर चल रही प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि चुनाव प्रचार के दौरान असम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उसे "माओवादी मुस्लिम लीग कांग्रेस" करार दिया था। आखिरकार उनकी बात सही साबित हुई।

वहीं पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को केवल दो सीटों पर जीत मिली, लेकिन दोनों सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से थीं। पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस की तुलना में अधिक मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे। वहीं तमिलनाडु में कांग्रेस ने दो मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारे, जिनमें से एक को जीत मिली। इन परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने कई राज्यों में मुस्लिम समुदाय को साधने की रणनीति अपनाई थी और कुछ स्थानों पर उसे इसका लाभ भी मिला।

मत प्रतिशत के आंकड़े भी इन चुनावों की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट करते हैं। असम में भाजपा को 37.81 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस को 29.84 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। दूसरी ओर केरलम में कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को मिलाकर कुल 39.80 प्रतिशत मत मिले। इससे यह स्पष्ट होता है कि केरलम में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

बहरहाल, इन विधानसभा चुनावों ने यह संकेत दिया है कि देश की राजनीति में धार्मिक और सामाजिक आधार पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण और अधिक स्पष्ट होता जा रहा है। एक ओर जहां भाजपा को व्यापक रूप से हिंदू मतदाताओं का समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय का झुकाव फिर से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। खासकर असम और केरलम में मुस्लिम उम्मीदवारों की उल्लेखनीय सफलता ने कांग्रेस को नई राजनीतिक ऊर्जा दी है।

## धर्म

# Budh Gochar 2026: एक हफ्ते में 3 बार बदलेगी बुध की चाल, इन 4 राशियों को होगा धन लाभ

मई का महीना ज्योतिष के हिसाब से काफी खास माना जा रहा है। इस बार बुध ग्रह बहुत कम समय में लगातार तीन बड़े बदलाव करने वाले हैं। ज्योतिष में बुध को बुद्धि, व्यापार, बातचीत, पैसा और करियर का कारक माना जाता है। ऐसे में इसकी चाल बदलने का असर कई राशियों की जिंदगी पर देखने को मिल सकता है। खासकर कुछ राशियों के लिए यह समय पैसा, करियर और रिश्तों के मामले में राहत और नए मौके लेकर आ सकता है।

ज्योतिष के मुताबिक 7 मई को बुध भरणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 13 मई को कृत्तिका नक्षत्र में जाएंगे और उसी दिन उनकी चाल भी बदल जाएगी। फिर 15 मई को बुध वृषभ राशि में गोचर करेंगे। इतने कम समय में बुध के लगातार बदलाव को काफी खास माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका अच्छा असर खास तौर पर वृषभ, कर्क, कन्या और कुंभ राशि वालों पर पड़ सकता है।

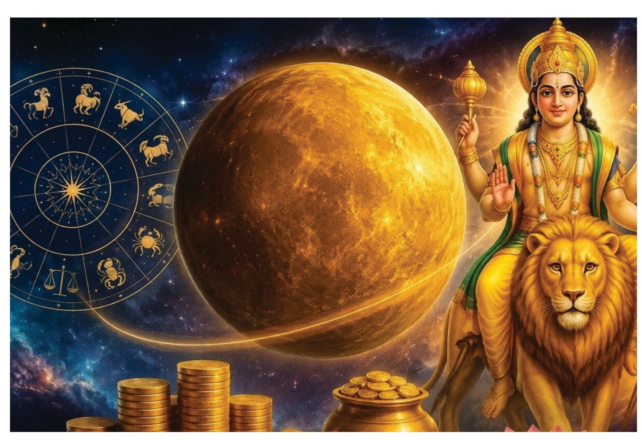

### वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए यह समय पहले से ज्यादा राहत वाला रह सकता है। परिवार और रिश्तों में चल रही दूरियां धीरे-धीरे कम होने लगेंगी। अगर किसी करीबी से मनमुटाव था तो बातचीत फिर शुरू हो सकती है। शादीशुदा लोगों के रिश्तों में भी सुधार देखने को मिल सकता है।

पैसों के मामले में भी समय अच्छा माना जा रहा है। कमाई के नए रास्ते खुल सकते हैं। बिजनेस करने वालों को नई पार्टनरशिप का फायदा मिल सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को भी आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं।

### कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए यह समय नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। अगर लंबे समय से नया काम या बिजनेस शुरू करने का सोच रहे थे तो अब प्लान आगे बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा। पैसा आएगा और बचत भी पहले से बेहतर हो सकती है। जो लोग कर्ज या पुराने खर्चों की वजह से परेशान चल रहे थे, उन्हें भी राहत मिल सकती है। वहीं सेहत के मामले में भी समय थोड़ा बेहतर रहने वाला है। अगर किसी बीमारी या कमजोरी से परेशान थे तो धीरे-धीरे सुधार महसूस होगा।

### कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए यह समय मानसिक शांति देने वाला माना जा रहा है। जिन रिश्तों में पिछले कुछ समय से दूरी बनी हुई थी, वहां हालात सुधर सकते हैं। पुराने दोस्त या करीबी फिर से संपर्क में आ सकते हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक चीजों में मन ज्यादा लग सकता है। कई लोगों का ध्यान पूजा-पाठ या खुद को शांत रखने वाली चीजों की तरफ बढ़ेगा। पैसों के मामले में भी समय अच्छा माना जा रहा है। पुराने निवेश से फायदा मिलने के योग हैं।

### कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों को इस दौरान सामाजिक और आर्थिक दोनों मामलों में फायदा मिल सकता है। परिवार और भाई-बहनों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर होंगे। कोई नया मौका अचानक सामने आ सकता है जिससे आगे फायदा मिल सकता है। अगर निवेश करने की सोच रहे हैं तो जल्दबाजी न करें, लेकिन सही प्लानिंग के साथ किया गया काम अच्छा रिजल्ट दे सकता है। नौकरी और बिजनेस दोनों में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

# क्या ज्यादा पसीना आने से स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है?

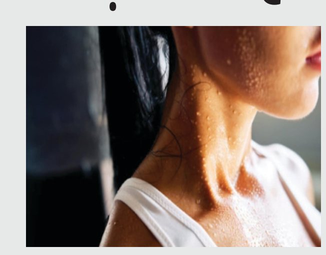

पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसकी वजह से लोगों को ज्यादा पसीना आने की समस्या हो रही है। गर्मी और उमस के कारण शरीर में नमी बढ़ जाती है, जिससे स्किन से जुड़ कई परेशानियां होने लगती हैं। कई बार लंबे समय तक पसीना त्वचा पर जमा रहने से खुजली, जलन, लाल चकत्ते और रैशेज जैसी समस्याएं दिखाई देने लगती हैं। इसके अलावा, शरीर के कुछ हिस्सों जैसे गर्दन, पीठ, अंडरआर्म्स और जांघों के आसपास ज्यादा पसीना आने पर परेशानी और बढ़ सकती है।

कई लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लगातार स्किन में जलन या खुजली होना परेशानी का संकेत हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि गर्मियों में स्किन की साफ-सफाई और देखभाल पर ध्यान दिया जाए। आइए जानते हैं कि क्या ज्यादा पसीना आने से स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। मैक्स हॉस्पिटल में डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ। सौम्या सचदेवा बताती हैं कि ज्यादा पसीना आने से स्किन पर नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ सकते हैं। यही कारण है कि गर्मियों में स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। खासकर शरीर के उन हिस्सों में, जहां हवा कम पहुंचती है, वहां संक्रमण जल्दी हो सकता है। पसीने के साथ धूल और गंदगी त्वचा पर जमा हो जाती है, जिससे खुजली, रैशेज और फंगल इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर व्यक्ति लंबे समय तक गीले कपड़ों में रहे या शरीर को साफ न रखे, तो यह खतरा और बढ़ सकता है। जिन लोगों की स्किन सेंसिटिव होती है, उनमें यह समस्या ज्यादा देखने को मिल सकती है।

### कैसे करें बचाव?

स्किन इंफेक्शन से बचाव के लिए शरीर को साफ और सूखा रखना बेहद जरूरी है। ज्यादा पसीना आने पर समय-समय पर चेहरा और शरीर साफ करें। ढीले और सूती कपड़े पहनें, ताकि हवा आसानी से पास हो सके और पसीना जल्दी सूख जाए। इसके अलावा, पर्याप्त पानी पिएं और बहुत देर तक गीले कपड़ों में न रहें। अगर स्किन पर खुजली या रैशेज बढ़ने लगें, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

### ये भी जरूरी

गर्मियों में दूसरों के तौलिये, कपड़े या पर्सनल चीजें इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे संक्रमण फैल सकता है। स्किन को बार-बार खुजलाने से भी परेशानी बढ़ सकती है। अगर किसी जगह पर लगातार लालपन, सूजन या जलन बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर सही देखभाल और साफ-सफाई से स्किन इंफेक्शन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

## स्तंभ

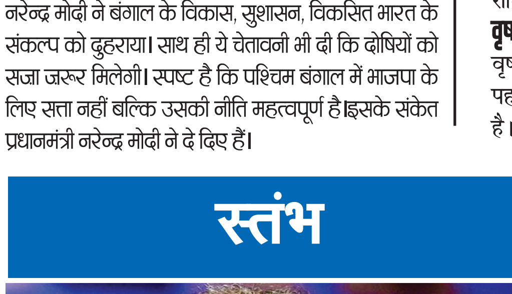

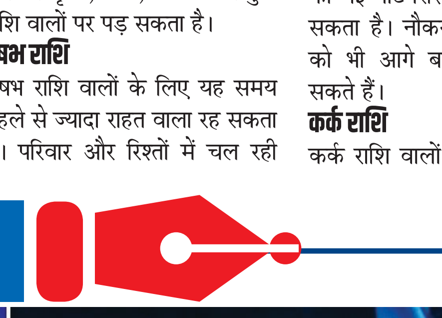

# पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक

## सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरुआत बताया। विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत का संकेत दे रहा है।

मालिक जयेश जग्शी गाला हेतु प्रकाशक, मुद्रक **अश्विनी कुमार दुबे** द्वारा मोदी प्रिंटर्स, 24 बोमनजी लेन, फोर्ट, मुंबई-400001 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर महाराष्ट्र ग्रेन स्टोर्स, 28, डॉ. भगवानदास इंद्रजीत रोड, वालकेश्वर, मलबार हिल, मुंबई-400006 से प्रकाशित किया।
संपादकः **अश्विनी कुमार दुबे** (पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी है, न्याय क्षेत्र मुंबई) कार्यकारी संपादकः अरविंद मिश्रा, सहसंपादकः सुजीत मिश्रा (दै.'राष्ट्रीय स्वाभिमान 'में सभी लोग सहयोगात्मक और अवैतनिक तौर पर कार्यरत हैं)
● आर.एन.आई.:MAHHIN/2008/24084 ● ईमेल: rastriyaswabhiman@gmail.com ● प्रबंधकीय क्र. +919224733113

# मध्य रेलवे की बड़ी कार्रवाई: विदेशी पर्यटक कोटे के दुरुपयोग के 39 मामले उजागर

## 3.56 लाख रुपये जुर्माना वसूला

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

मुंबई। मध्य रेलवे ने विदेशी पर्यटक (एफटी) कोटे के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए 39 मामलों का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में कुल 3,56,916 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। यह मामला 4 फरवरी 2026 को ट्रेन संख्या 12296 संघमित्रा एक्सप्रेस में सामने आया, जहां कुछ भारतीय यात्री विदेशी पर्यटक कोटे के टिकट पर बिना आवश्यक दस्तावेजों के यात्रा करते पाए गए।

### जांच में सामने आई बड़ी अनियमितताएं

मध्य रेलवे द्वारा भविष्य की तारीखों के बुकिंग डेटा का विश्लेषण किया गया। जांच में पाया गया कि 24 अप्रैल से 11 जून 2026 के बीच 31 ट्रेनों के लिए कुल 174 पीएनआर विदेशी पर्यटक कोटे के तहत बुक किए गए थे।

विशेष जांच अभियान के दौरान 39 पीएनआर संदिग्ध पाए गए, जिनमें 121 यात्री नियमों का उल्लंघन करते हुए यात्रा कर रहे थे। इन यात्रियों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

### सीटें रद्द कर अन्य यात्रियों को दी गईं

नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों को उनकी बर्थ पर बैठने की अनुमति नहीं दी गई। बाद में ये सीटें आरएसी और वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को आवंटित कर दी गईं।

### एजेंटों की भूमिका की जांच

इस मामले में किसी अधिकृत बुकिंग एजेंट की संलिप्तता की जांच के लिए आईआरसीटीसी से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई है। संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान के लिए जांच जारी है।

### रेलवे की अपील

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि गलत कोटे के तहत टिकट बुक करना रेलवे कानून के तहत दंडनीय अपराध है। यात्रियों को यात्रा के दौरान वैध पहचान पत्र और आवश्यक दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है। मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे कर्मचारियों, हेल्पलाइन नंबर 139 या 'रेल मदद' ऐप के माध्यम से दें। साथ ही यात्रा से पहले अपने टिकट की वैधता और सही जानकारी की पुष्टि अवश्य करें।

# भिवंडी में किसान सभा का प्रांत कार्यालय पर जोरदार मोर्चा

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

भिवंडी। विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा ने बुधवार को भिवंडी प्रांत कार्यालय पर जोरदार मोर्चा निकालकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में आयोजित इस मोर्चे में ठाणे-पालघर जिला कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ शाहपुर और भिवंडी क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण शामिल हुए। किसानों ने सरकार से पहले से स्वीकृत मांगों को लेकर प्रांत कार्यालय तक मोर्चा निकाला,जहां पहुंचने के बाद किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जाहिर किया।इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वन पट्टों पर काबिज जमीन को खेती करने वाले पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर दर्ज करने, बढ़ते बिजली बिलों के लिए जिम्मेदार स्मार्ट मीटर योजना को रद्द करने की मांग।साथ ही किसानो ने सभी जरूरतमंद परिवारों को घरकुल योजना का लाभ देने, जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने और प्रत्येक परिवार को 35 किलो राशन अनाज उपलब्ध कराने की भी मांग की। साथ ही राशन वितरण में कथित भ्रष्टाचार की जांच और श्रमिक विरोधी चार श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग भी की।प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों पर सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# बकरीद पर बली दिए गए जानवरों के अवयवों को नही उठायेंगे मनपा सफाईकर्मी

**आर .एस. नेटवर्क। ठाणे संवाददाता**

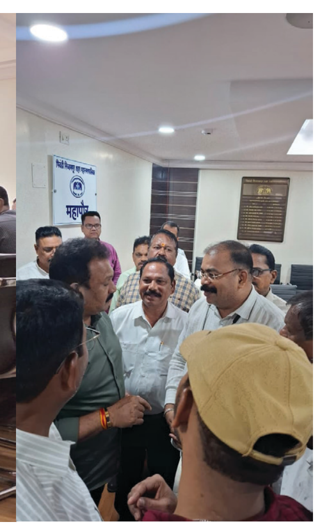

भिवंडी। भिवंडी मनपा के सफाई कर्मचारी इस वर्ष बकरीद पर दिए जाने वाले जानवरों की कुर्बानी के बाद निकलने वाले बेस्टेज को नही हटायेंगे।उक्त घोषणा मनपा के सभी मजदूर यूनियनों ने महापौर व उपमहापौर के साथ हुए बैठक के दौरान हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर यूनियनों ने कहा है कि जो लोग जानवरों की बली देंगे,वही अब जानवरों के बेस्टेज को भी हटाए।इतना ही नही यूनियनों का कहना है हर दिन की तरह साफ सफाई का अन्य कार्य सफाई कर्मचारी ही करेंगे।मजदूर यूनियनों के इस निर्णय से मनपा प्रशासन के हाथ पाव फूल गए है।

भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी व उपमहापौर तारिक मोमीन के साथ आगामी बकरीद को लेकर मनपा के 18 मजदूर यूनियनों के प्रतिनिधियों ने 5 मई को दोपहर एक बैठक का आयोजन किया गया था।जिसमें मनपा यूनियनों के प्रतिनिधियों ने सयुक्त रूप से बताया है कि आगामी 27 मई को बकरीद का त्यौहार शुरू हो रहा है।जो लगातार 29 तक चलेगा।जिसके मद्देनजर भिवंडी में बड़े पैमाने पर जानवरों की बली दी जानी है।जिसके बेस्टेज को मनपा सफाई कर्मचारियों द्वारा हटाया जाता है।हर वर्ष मनपा प्रशासन अतिसंवेदनशील शहर में लॉ एंड आर्डर का हवाला देकर उक्त कार्य सफाई कर्मचारियों से करवाती आ रही है।सफाई न करने पर कार्रवाई का धौंस देकर डराती है।लेकिन इस वर्ष भी मनपा सफाई कर्मचारी जानवरों की बली के बाद निकलने वाले बेस्तेज को नही हटाएंगे।यूनियनों का कहना है कि जो लोग जानवरों की बलि देंगे वही लोग उनके अवशेष को गोनी में भरकर कचरा गाड़ी में डाले,जिसके बाद मनपा सफाई कर्मी उसे उठाकर ले जायेगे।साथ ही कुर्बानी सेंटर की पानी डालकर सफाई करने के साथ दवा का छिड़काव को करेंगे।यूनियनों ने हाईकोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि बकरीद को लेकर दायर जनहित याचिका के बाद 5 जुलाई 2022 को न्यायधीश एस के मेमन व एम एस कार्णिक ने कुर्बानी संबंधित निर्देश में बली देने वाले को बेस्टेज़ भी खुद हटाने का निर्देश दिया था।इधर महापौर नारायण चौधरी ने यूनियनों की बात सुनने के बाद भरोसा दिलाया कि यूनियनों द्वारा सफाई कर्मचारियों के हित में किए जा रहे मांग पर विचार किया जाएगा।उन्होंने कहा कि बकरीद से पहले मनपा आयुक्त के साथ बैठक कर इसको अमल में लाया जाएगा।इस दौरान भिवंडी म्युनिसिपल कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष राजेंद्र कबाड़ी,लेबर फ्रंट के अध्यक्ष संतोष चौहान,विकास निकम,चंद्रकांत सोनवाने,दीपक राव,भारत तांबे ,रविन्द्र गायकवाड़ व श्याम गायकवाड़,सुनील बांगर सहित सभी यूनियनों अध्यक्ष व सचिव इस बैठक में मौजूद थे।

# भिवंडी में अवैध मोबाइल टावरों के सामने लाचार मनपा प्रशासन, वसूली फिसड्डी

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

भिवंडी। भिवंडी मनपा अंतर्गत लगे अवैध मोबाइल टॉवरों से टैक्स वसूली को लेकर प्रशासन लाचार साबित हो रहा है।शहर में विभिन्न कंपनियों के लगे 284 मोबाइल टावरों पर मनपा प्रशासन का तकरीबन 40 करोड़ रुपया टैक्स बकाया है।जिनसे प्रशासन न बकाया टैक्स की वसूली कर पा रही है न ही उन पर कार्रवाई कर पा रही है।क्योंकि मनपा नोटिस के बाद भी इस पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।जबकि मनपा आर्थिक कंगाली से जूझ रही है।

भिवंडी मनपा करमूल्यांकन अधिकारी गिरीश घोष्टेकर ने बताया कि मनपा अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में प्रसिद्ध मोबाइल कंपनियों के कुल 284 मोबाइल टॉवर्स शहर की गगनचुंबी इमारतों पर लगे हैं। जिसमे बीएसएनल के 17, एटीसी के 57, जिटीएल के चार,इंडस के 63, रिलायंस कंपनी के 27,जिओ के 102, यूनिटी के 2,एयरटेल के 1,वोडाफोन के 1, मोबाइल कंपनियो के टॉवर शामिल हैं।उन्होंने बताया कि इन मोबाइल टॉवरों में से रिलायंस जिओ के 70 मोबाइल टॉवर को छोड़कर बाकी सभी 214 टॉवर अबैध तरीके से बिना मनपा से किसी प्रकार परमिशन लेकर लगाए गए है।मनपा अधिकारी का आरोप है कि उक्त मोबाइल कंपनियों द्वारा बिना मनपा प्रशासन से कोई एनओसी लिए इमारत मालिकों को लालच देकर मनपा द्वारा घोषित धोकादायक इमारतों पर भी मोबाईल टावर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इमारतों पर मोबाइल टॉवर लगानें वाली नामचीन कम्पनियां इमारत मालिकों व सोसाइटी को प्रतिमाह भाड़ा स्वरुप करीब 15 से 25 हजार रूपया अदा करती हैं।इन मोबाइल टॉवरों पर मनपा का कुल 39 करोड़,52 लाख 92 हजार302 करोड़ रूपया बतौर टैक्स राजस्व बकाया है। जिस में से नियमित टैक्स 9 करोड़ 32 लाख 72 हजार 476 रुपया ही टैक्स है।जबकि 11 करोड़ ,51 लाख,83 हजार450 रुपया दंड तथा 18 करोड़ 68 लाख 37 लाख 378 रुपया ब्याज है।उन्होंने बताया कि सबसे ज्याद टैक्स इंडस कंपनी पर 14 करोड़ 30 लाख,42 हजार 816 रुपया तथा टाटा इंडिकॉम पर 9 करोड़ 77 लाख 60 हजार रुपया बकाया है।उन्होंने बताया कि टैक्स न भरने के कारण बिल्डिंगों पर लगे कई टावरों पर मनपा द्वारा पिछले दिनों कार्रवाई की गई थी।जिसके बाद कई मोबाइल टॉवर कंपनियां मनपा कार्यवाई के खिलाफ कोर्ट में गई थी। जिसके बाद अदालत ने जन सुविधा के मद्देनजर टॉवरों को सील करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दिया था।इस कारण मनपा प्रशासन मोबाइल टावरों से बकाया राशि वसूलने के लिए चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रही है। इतना ही नहीं पिछले वर्ष से तो सरकार ने इन टावरों पर टैक्स लगाने पर ही रोक लगा दिया है।

# जनगणना और बीएलओ कार्यों से परेशान शिक्षकों को 'शिक्षण क्रांति संगठन' की मांग से मिलेगी राहत

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

भिवंडी। मतदाता सूची पुनरीक्षण और जनगणना कार्यों के कारण शिक्षा पर अतिरिक्त काम का बोझ पड़ने से शिक्षक काफी परेशान हैं। उन्हें राहत दिलाने के लिए 'शिक्षण क्रांति संगठन' द्वारा दिए गए ज्ञापन के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारी के कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में जनगणना और बीएलओ ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में शिक्षण क्रांति संगठन के राज्य अध्यक्ष सुधीर देवराम घागस , राज्य संगठक आर.डी. पाटिल, महानगर जिला अध्यक्ष गजानन पाटिल जिला सचिव थॉमस शिनगारे और प्रशासन की ओर से प्रशासनिक अधिकारी भारत बोरनारे, विलास नंदनवार, विलास लिखारे सहित प्रभावित कर्मचारी उपस्थित थे। शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने के बाद प्रशासनिक अधिकारी भारत बोरनारे ने कहा कि कुछ मांगों को स्वीकार कर लिया गया है और शेष मांगों को नगर निगम आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत कर राहत देने का निर्णय लिया जाएगा। संगठन की मांग के अनुसार, मुख्याध्यापकों को जनगणना और बीएलओ कार्यों से मुक्त कर दिया गया है। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त और सेवानिवृत्ति में 6 महीने से कम समय शेष रहने वाले कर्मचारियों को इस काम से छूट दी जाएगी।

कर्मचारियों को बीएलओ या जनगणना में से केवल एक ही काम दिया जाएगा। इस कार्य के लिए कर्मचारियों की कमी को देखते हुए स्व-सहायता स्कूलों के कर्मचारियों से भी यह कार्य करने का आह्वान किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी विभागों के कर्मचारियों को समान अनुपात में लिया जाएगा।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा मानसिक प्रताड़ना दी गई या केस दर्ज करने की धमकी दी गई, तो धमकी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ ही मामला दर्ज कराया जाएगा और काम का बहिष्कार किया जाएगा। संगठन ने मांग की है कि इन कार्यों में लगे सभी कर्मचारियों का 1 करोड़ रुपये का बीमा कराने के लिए जिलाधिकारी और सरकार से संपर्क किया जाए। साथ ही, इस कार्य के बदले मिलने वाला मानदेय सीधे कर्मचारियों के बैंक खाते में जमा किया जाना चाहिए।

# पालघर अत्याचार मामला: पीड़िता को न्याय मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष, आरोपी को न मिले जमानत: डॉ. नीलम गोरे

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

पालघर। पालघर जिले के कासा पुलिस थाना क्षेत्र में एक नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ कथित "भोंदू बाबा" द्वारा किए गए दुष्कर्म के मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। इस घटना पर महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे ने सख्त रुख अपनाते हुए पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात की तथा न्याय दिलाने का भरोसा दिया।

डॉ. गोरे ने स्पष्ट कहा कि पीड़ित परिवार की एकमात्र मांग न्याय है और किसी भी स्थिति में आरोपी को जमानत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर मामले की त्वरित जांच और न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने की बात कही।

### पीड़िता के भविष्य पर विशेष ध्यान

डॉ. गोरे ने बताया कि पीड़िता आगे पढ़ाई कर पुलिस अधिकारी बनना चाहती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की सभी योजनाओं के माध्यम से उसकी शिक्षा और करियर को पूरा समर्थन दिया जाएगा।

### दबाव बनाने वालों पर भी होगी कार्रवाई

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति आरोपी की मदद करता है, गवाहों को प्रभावित करता है या किसी भी प्रकार का दबाव बनाता है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### डीएनए जांच और गवाह सुरक्षा पर जोर

मामले को मजबूत बनाने के लिए डीएनए जांच सहित सभी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जाएंगे। साथ ही गवाह संरक्षण कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी बल दिया गया है।

### उपमुख्यमंत्री ने जताया भरोसा

इस दौरान डॉ. गोरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से फोन पर बात कर पूरी जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने पीड़िता और उसके परिवार से बातचीत कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार पूरी तरह उनके साथ है और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने पीड़िता की शिक्षा की जिम्मेदारी भी लेने की बात कही।

### 'मनोधैर्य' योजना के तहत मदद

प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि पीड़िता को 'मनोधैर्य' योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता, पुलिस सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और मानसिक परामर्श तुरंत उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा।

### अंधविश्वास के खिलाफ सख्ती

डॉ. गोरे ने अंधविश्वास और भोंदूगिरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कड़े कानूनों के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

### फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग

राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को देखते हुए उन्होंने फास्ट ट्रैक कोर्ट की संख्या बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अपेक्षित अदालतों की तुलना में कम अदालतें कार्यरत हैं, जिससे मामलों में देरी हो रही है।

### प्रशासनिक समीक्षा बैठक

इस मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक भी की गई, जिसमें जांच की प्रगति, साक्ष्य संग्रह और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। अंत में डॉ. गोरे ने दोहराया कि पीड़िता को न्याय मिलने तक यह लड़ाई जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

# ठाणे सिविल अस्पताल में PCOD क्लिनिक का उद्घाटन

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

ठाणे। राज्य में महिलाओं का स्वास्थ्य बनाए रखने और हार्मोनल प्रॉब्लम PCOD जो खासकर शहरी इलाकों में अविवाहित युवतियों और रिप्रोडक्टिव उम्र की महिलाओं में बढ़ रही है, का समय पर इलाज देने के लिए महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आज पूरे राज्य में PCOD क्लिनिक शुरू किए गए हैं। इसी कैंपेन के तहत 6 मई को सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार के गाइडेंस में PCOD क्लिनिक का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ धीरज महांगड़े ने PCOD के बारे में ज़रूरी गाइडेंस दी। उनके साथ, एक्सपर्ट गाइनेकोलॉजिस्ट और हॉस्पिटल की लेडी एम्प्लॉई ने मौजूद महिलाओं और मरीज़ों को PCOD के बारे में डिटेल में गाइडेंस दी।क्लिनिक का प्रारूप एवं उपलब्ध सेवाएं यह पीसीओडी क्लिनिक अब जिला अस्पताल में हर बुधवार को 'मेनोपॉज ओपीडी' के साथ नियमित रूप से खुला रहेगा। इस क्लिनिक में महिलाओं को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाएंगी।विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जांच। हार्मोनल परिवर्तन के आधार पर आवश्यक चिकित्सा परीक्षण।

एकीकृत दृष्टिकोण दवा।

स्वास्थ्य एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श। विशेषज्ञों द्वारा आहार एवं जीवनशैली पर विशेष मार्गदर्शन।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और मानसिक तनाव के कारण युवतियों में पीसीओडी बढ़ रहा है। अगर सही समय पर निदान और इलाज किया जाए तो इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है। उद्घाटन के बाद क्लिनिक में आए मरीजों की व्यक्तिगत रूप से जांच की गई और उन्हें आवश्यक दवा एवं परामर्श दिया गया।प्रशासन ने अधिक से अधिक महिलाओं से जिला अस्पताल ठाणे में इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

# ठाणे में 'स्व-गणना' की शुरुआत: मेयर–डिप्टी मेयर ने किया सेल्फ एन्यूमरेशन, नागरिकों से QR कोड के जरिए भागीदारी की अपील

**आर .एस. नेटवर्क। संवाददाता**

ठाणेः जनगणना 2027 की प्रक्रिया को गति देते हुए ठाणे महानगरपालिका में पहले चरण की शुरुआत हो गई है। इस अभियान का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में किया।

इसी क्रम में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने खुद 'स्व-गणना' (सेल्फ एन्यूमरेशन) कर नागरिकों को नई व्यवस्था का संदेश दिया। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे QR कोड के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें और प्रशासन का सहयोग करें।

### जागरूकता के लिए विशेष पहल

जनगणना को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष मैस्कॉट और प्रतीकात्मक कटआउट तैयार किए हैं, जिन्हें 'विकास' और 'प्रगति' नाम दिया गया है, ताकि आम नागरिकों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जा सके।

### सही जानकारी देना जरूरी

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना के लिए घर आने वाले गणनाकारों (एन्यूमरेटर) को सही और पूरी जानकारी दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के विकास और कल्याण के लिए सटीक आंकड़े बेहद महत्वपूर्ण हैं।

### 15 मई तक चलेगा पहला चरण

सहायक आयुक्त सचिन बोरसे ने जानकारी दी कि जनगणना 2027 का पहला चरण 15 मई 2026 तक सक्रिय रहेगा। इस दौरान नागरिकों की सुविधा के लिए मनपा मुख्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

### शहरभर में लगाए गए QR कोड

शहर के विभिन्न स्थानों पर QR कोड लगाए गए हैं। नागरिक इन कोड को स्कैन कर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। स्व-गणना पूरी होने के बाद उन्हें एक यूनिक नंबर प्राप्त होगा, जिसे घर पर आने वाले एन्यूमरेटर को दिखाना आवश्यक होगा।

**प्रशासन ने नागरिकों से अपील** की है कि वे इस डिजिटल पहल का अधिक से अधिक उपयोग कर जनगणना को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

# ठाणे में मोबाइल चोरी की तीन घटनाएं, भीड़ और झांसा बन रहा अपराधियों का हथियार

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

ठाणे। शहर के विभिन्न इलाकों में मोबाइल फोन चोरी की तीन अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। मुंब्रा रेलवे स्टेशन, माजिवाड़ा और नौपाड़ा इलाके में हुई इन वारदातों के बाद पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### मुंब्रा स्टेशन पर भीड़ में चोरी

मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर भीड़ का फायदा उठाकर एक चोर ने 60 वर्षीय अब्दुल कुद्दुस खान का महंगा मोबाइल फोन चुरा लिया। शिकायत के अनुसार, वे 2 मई को एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद स्टेशन पहुंचे थे। रात करीब 10:49 बजे सीएसएमटी जाने वाली स्लो लोकल के जनरल डिब्बे में चढ़ते समय उनकी पतलून की जेब में रखा मोबाइल फोन गायब हो गया। चोरी हुए मोबाइल की कीमत 30,999 रुपये बताई गई है। इस मामले में ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

### माजिवाड़ा में झांसा देकर मोबाइल चोरी

दूसरी घटना माजिवाड़ा इलाके में सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने बातचीत का बहाना कर घर से मोबाइल फोन चुरा लिया। शिकायतकर्ता सुनील लक्ष्मण राठौड़ (25) ने कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। 4 मई की सुबह जब वे नाइट शिफ्ट के बाद घर पर सो रहे थे, उसी दौरान एक व्यक्ति घर में आया और बच्ची से मोबाइल मांगकर मौके से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की गई है। चोरी हुए मोबाइल की कीमत 25,000 रुपये बताई गई है।

### नौपाड़ा में रिक्शा स्टैंड पर वारदात

तीसरी घटना नौपाड़ा के गावदेवी रिक्शा स्टैंड पर हुई, जहां भीड़ का फायदा उठाकर एक चोर ने डोंबिवली निवासी गणेश अनिल मांडे (40) का मोबाइल फोन चुरा लिया। शिकायत के मुताबिक, 4 मई की सुबह वे ठाणे स्टेशन से रिक्शा स्टैंड पहुंचे थे। जैसे ही वे वागले एस्टेट जाने के लिए रिक्शा में बैठे, उनकी शर्ट की जेब से करीब एक लाख रुपये कीमत का मोबाइल चोरी हो गया। इस संबंध में नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

### पुलिस ने शुरू की जांच

तीनों मामलों में संबंधित पुलिस स्टेशनों ने शिकायत दर्ज कर ली है और आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने नागरिकों से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहने और अपने कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

हिंदी दैनिक
# राष्ट्रीय स्वाभिमान

हिंदी दैनिक राष्ट्रीय स्वाभिमान
पत्र व्यवहारः रफ्तार इंडिया एक्सप्रेस, 31/33 पहला महला, पत्रा वाला बिल्डिंग, वजु कोटक मार्ग लिंक शहीद भगतसिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001,
भ्र.ध्व . क्र.:9224733113
ईमेलः rastriyaswabhimaan@gmail.com



# विकास के साथ चेंदनी कोलीवाड़ा की पहचान बचाने की मांग

## सीमांकन प्रक्रिया में स्थानीयों की भागीदारी पर जोर

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

ठाणे। महाराष्ट्र सरकार के 29 जनवरी 2026 के निर्णय के तहत कोंकण क्षेत्र में कोलीवाड़ों के सीमांकन (डिमार्केशन) की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी कड़ी में ठाणे के चेंदनी कोलीवाड़ा का भी सीमांकन प्रस्तावित है। इस पर चेंदनी कोलीवाड़ा कोली जमात ट्रस्ट ने प्रशासन से मांग की है कि स्थानीय कोली समुदाय को विश्वास में लिए बिना यह प्रक्रिया लागू न की जाए।

ट्रस्ट ने अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल को सौंपे गए आवेदन में सवाल उठाया है कि क्या विकास के नाम पर कोलीवाड़ा के अस्तित्व और पहचान से समझौता किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीमांकन केवल जमीन का नहीं, बल्कि पारंपरिक जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत का भी होना चाहिए।

**विकास परियोजनाओं से बढ़ी चिंता**

मनपा क्षेत्र में चल रही अर्बन रिन्यूअल (क्लस्टर) योजना, अंडरग्राउंड मेट्रो,

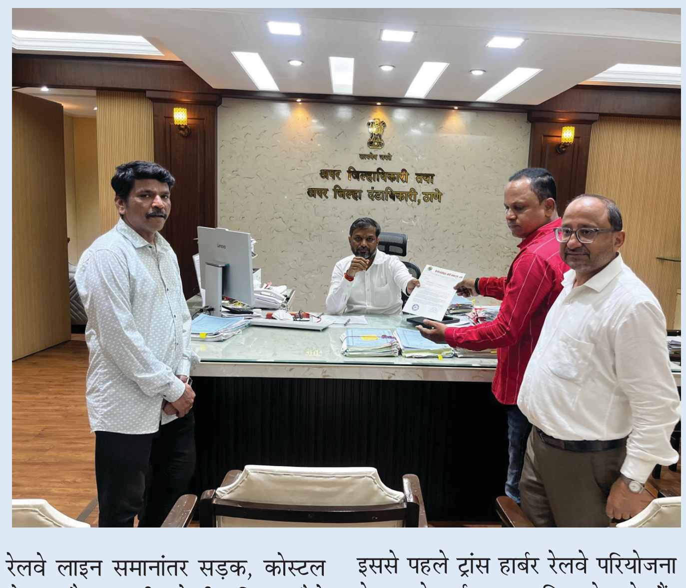


रेलवे लाइन समानांतर सड़क, कोस्टल रोड और पटनी-कोपरी ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट्स के कारण स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है। आशंका है कि इन परियोजनाओं से चेंदनी कोलीवाड़ा की मूल बस्ती प्रभावित हो सकती है।

इससे पहले ट्रांस हार्बर रेलवे परियोजना के चलते कई घर प्रभावित हो चुके हैं। लगातार हो रहे शहरीकरण के कारण कोली समुदाय के पारंपरिक मछली पकड़ने के व्यवसाय और जीवनशैली पर भी खतरा मंडरा रहा है।

**पारंपरिक ढांचे को शामिल करने की मांग**

ट्रस्ट ने प्रस्तावित सीमांकन में गांव के विस्तारित हिस्सों के साथ-साथ मछली पकड़ने के क्षेत्र, मैंग्रोव, नाव और जाल रखने की जगह, पारंपरिक रास्ते, आंतरिक सड़कें, सार्वजनिक खुली जगहें, तथा गांव के देवता और मंदिर परिसर को शामिल करने की मांग की है।

**संस्कृति और अर्थव्यवस्था का केंद्र**

चेंदनी कोलीवाड़ा को ठाणे की मूल संस्कृति का अहम हिस्सा माना जाता है। यहां सक्रिय सहकारी मछली पकड़ने वाली संस्थाएं न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करती हैं, बल्कि परंपराओं को भी जीवित रखती हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष अमरीश थानेकर, डिमार्केशन समिति के सदस्य सचिन थानेकर और आनंद कोली ने आवेदन देते समय प्रशासन से अपील की कि विकास योजना बनाते समय कोलीवाड़ा और कोली समुदाय के अस्तित्व को प्राथमिकता दी जाए।

# बदलापुर में 13 से 17 मई तक होगा 'छत्रपति शिवाजी महाराज कप' राज्य स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

ठाणे। ठाणे जिले के बदलापुर में 13 से 17 मई तक 'छत्रपति शिवाजी महाराज कप' राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुंबई स्थित सह्याद्री गेस्ट हाउस में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्रतियोगिता के आधिकारिक बोधचिन्ह (लोगो) का अनावरण भी किया गया। यह प्रतियोगिता 18 और 21 वर्ष आयु वर्ग के लड़के एवं लड़कियों के लिए आयोजित की जा रही है। इसका आयोजन खेल विभाग और कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के संयुक्त तत्वावधान में होगा।

**खिलाड़ियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं**

बैठक में खिलाड़ियों के आवास, भोजन, खेल मैदान की तैयारी और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि खिलाड़ियों के लिए उच्च स्तरीय आवास और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

आयोजन के लिए आवश्यक 25 लाख रुपये की राशि CIDCO के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन भी दिया गया।

**खेल परिसर कार्यों की समीक्षा**

इसके अलावा ठाणे मंडल खेल परिसर में चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई, ताकि भविष्य में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

**ये रहे प्रमुख उपस्थित**

इस बैठक में विधायक किसान कथोरे, कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद की अध्यक्ष रुचिता घोरपड़े, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, खेल विभाग के उपनिदेशक नवनाथ फरताडे, जिला खेल अधिकारी सुवर्णा बरताके, जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार सहित महाराष्ट्र वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ठाणे के जिला कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लेकर तैयारियों का जायजा लिया। प्रशासन ने विश्वास जताया है कि यह प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों को मंच देगी, बल्कि ठाणे जिले में खेल संस्कृति को भी नई पहचान देगी।

# दौंड में 9 वर्षीय बच्ची की हत्या से फैली सनसनी, डॉ. नीलम गोरे ने लिया संज्ञान

## फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की मांग

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

पुणे (विशेष पः पुणे जिले के दौंड तालुका स्थित देऊलगांव राजे गांव में 9 वर्षीय मासूम बच्ची की निर्मम हत्या की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। इस हृदयविदारक घटना पर महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे ने गंभीर संज्ञान लेते हुए पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक को लिखित निवेदन सौंपा है।

अपने निवेदन में डॉ. गोरे ने मामले की गहन जांच कराने, सभी तकनीकी और भौतिक साक्ष्य जुटाने तथा इस केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की है। उन्होंने पीड़ित परिवार को सक्षम वकील उपलब्ध कराने के साथ-साथ गवाहों, विशेष रूप से घटना के प्रत्यक्षदर्शी छोटे बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है।

**"घटना ने मन को झकझोर दिया"**

डॉ. गोरे ने कहा, "यह बेहद दुखद और मन को झकझोर देने वाली घटना है। एक मासूम बच्ची की मामूली कारणों से हत्या होना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। ऐसे मामलों में आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि समाज में कड़ा संदेश जाए।"

**गवाह बच्चे की सुरक्षा और काउंसलिंग जरूरी**

उन्होंने कहा कि घटना के गवाह छोटे बच्चे को सुरक्षित वातावरण में रखा जाए और उसका मानसिक समुपदेशन कराया जाए, ताकि वह इस सदमे से उबर सके। डॉ. गोरे ने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में सांगली जिले के आटपाड़ी में भी दो बच्चियों के साथ अमानवीय व्यवहार की घटना सामने आई थी, जिसमें एक बच्ची की मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिवार और समाज स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

**सख्त कार्रवाई की मांग**

डॉ. गोरे ने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है।

# ठाणे में चोरी और आग की घटनाएं: मेले में पर्स चोरी, खड़ी कार गायब, घर में लगी आग

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

ठाणेः शहर में अलग-अलग स्थानों पर चोरी और आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे नागरिकों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने मामलों में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**मेले में महिला की पर्स चोरी**

बल्कुम नाका क्षेत्र में साईं बाबा जयंती के अवसर पर लगे मेले में भीड़ का फायदा उठाकर एक चोर ने 31 वर्षीय पूजा अनिल यादव का पर्स चोरी कर लिया। इस संबंध में कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, 2 मई को मेले में मौजूद पूजा यादव ने अपना मंगलसूत्र टूटने के कारण उसे पर्स में रख लिया था। इसी दौरान जब वह अपने पति से मोबाइल पर बात कर रही थीं, अज्ञात चोर ने उनके पर्स से 14 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र, 8,000 रुपये नकद और आधार कार्ड, पैन कार्ड व वोटर आईडी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज चुरा लिए। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 58,000 रुपये बताई गई है।

**खड़ी कार चोरी**

ठाणे के लोकमान्यनगर पाड़ा नंबर 4 इलाके में खड़ी एक कार चोरी होने की घटना सामने आई है। इस मामले में वर्तकनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता संदीप शेटके (33) ने 2 मई की दोपहर काम खत्म करने के बाद अपनी कार ज्ञानोदय स्कूल के सामने सड़क पर खड़ी की थी। 4 मई की सुबह जब वे वहां पहुंचे तो कार गायब थी। आसपास और रिश्तेदारों से पूछताछ के बाद भी कोई जानकारी न मिलने पर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। चोरी हुई कार की कीमत लगभग 1 लाख रुपये बताई गई है।

**ओवाला में घर के बेडरूम में लगी आग**

घोड़बंदर रोड स्थित ओवाला नाका इलाके में सोमवार रात एक घर के बेडरूम में आग लग गई। यह घटना रात करीब 11:45 बजे की है।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग, बचाव टीम, महावितरण के कर्मचारी और आपदा प्रबंधन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद रात 12:05 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

इस आग में एसी, बिस्तर, अलमारी, टीवी और बिजली के तार जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

■ पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के प्रचंड विजय के अवसर पर वर्ली के वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी को मिठाई खिलाकर शुभकामना देते हुए प्रसन्न मुद्रा में भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय सचिव मुकुंद कुलकर्णी।

# नई 'फोर्स ट्रैवेलर एन' रेंज लॉन्च, अब और ज्यादा आधुनिक और आरामदायक

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

मुंबई। फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने अपनी नई फोर्स ट्रैवेलर एन रेंज लॉन्च की है, जिसे एंबुलेंस, स्कूल बस और डिलीवरी वैन जैसे उपयोगों के लिए तैयार किया गया है।

नई रेंज में कार जैसा ड्राइवर केबिन, डिजिटल डिस्प्ले और 9-इंच टचस्क्रीन जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। इसके साथ ही बेहतर सीटिंग, कम शोर और कंपन, तथा नया एयर कंडीशनिंग सिस्टम सफर को अधिक आरामदायक बनाता है। कंपनी के एमडी प्रसन्न फिरोदिया के अनुसार, इस मॉडल को ग्राहकों, ड्राइवरों और फ्लीट ऑपरेटरों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है, ताकि बेहतर परफॉर्मेंस और कम मेंटेनेंस लागत सुनिश्चित हो सके। कंपनी अब धीरे-धीरे पुराने ट्रैवेलर मॉडल्स की जगह इसी नई 'एन' रेंज को लाने की योजना बना रही है।

■ KEM हॉस्पिटल के नुतन डीन डॉक्टर हरीश पाठकजी का स्वागत करते भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश के राज्य परिषद सदस्य विजय गोवळकर

# छह पहिएदार कंटेनर और शराब के 1,450 बक्से जब्त किए गए, 2 गिरफ्तार

## दवाइयों के बिल बनाकर गोवा में निर्मित शराब की तस्करी का पर्दाफाश हुआ

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

ठाणे। गुप्त सूचना मिली थी कि दवा के नाम पर फर्जी चालान बनाकर छह पहियों वाले कंटेनर में गोवा में बनी शराब का जखीरा ले जाया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर राज्य उत्पाद शुल्क फ्लाइंग स्क्वाड ने 5 मई, 2026 को शाम लगभग 6:15 बजे आर.सी. पाटिल टोल नाका और माजिवाड़ा के बीच संदेह होने पर कंटेनर को रोका और शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया। राज्य उत्पाद शुल्क स्क्वाड ने छह पहियों वाले कंटेनर के साथ शराब के 1,450 बक्से जब्त किए और परिवहन में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

राज्य उत्पाद शुल्क टीम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी परगत सिंह करतार सिंह, जो गोवा में बनी शराब की तस्करी कर रहा था, चालक था और आरोपी अमृतबीर सिंह हरप्रीत सिंह उसका साथी था। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग, कोंकणहै डिवीजन, ठाणे को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर, मंगलवार, 5 मई, 2026 को, राज्य उत्पाद शुल्क अधीक्षक प्रवीण तांबे साहब, उप अधीक्षक आनंद पवार, ठाणे-1 और उप अधीक्षक रत्नमाला गायकवाड़ ने सूचना दी कि गोवा में निर्मित शराब को किसी विदेशी राज्य से लाया जा रहा है। इसके बाद टीम आर.सी. पाटिल टोल नाका और माजिवाड़ा रोड, ठाणे के बीच गश्त कर रही थी। जब टीम ने कंटेनर को रोककर उसकी जांच की, तो उसमें 180 मिलीलीटर की सीलबंद रॉयल ब्लू माल्ट व्हिस्की (गोवा में निर्मित) की बोतलें मिलीं। टीम ने मंगलवार की कार्रवाई में शराब के 1,450 बक्से जब्त किए। टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और 1 करोड़ 65 लाख 11 हजार 500 रुपये मूल्य के छह पहिएदार कंटेनरों के साथ शराब का भंडार जब्त किया।

# महिला सुरक्षा पर राज्यपाल हस्तक्षेप करें, 'शक्ति' कानून लागू हो और पूर्णकालिक गृहमंत्री नियुक्त किया जाए : वर्षा गायकवाड

**आर.एस.नेटवर्क संवाददाता**

मुंबई। महाराष्ट्र में बढ़ते महिला अत्याचार के मामलों को लेकर वर्षा गायकवाड ने राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने राज्यपाल से कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर हस्तक्षेप करने और 'शक्ति' कानून को जल्द लागू कराने की अपील की है।

**महिला सुरक्षा पर जताई चिंता**

अपने पत्र में गायकवाड ने कहा कि महाराष्ट्र को पहले महिलाओं के लिए सुरक्षित राज्य माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में बढ़ती घटनाओं ने इस छवि को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि नसरापूर, बदलापुर, चाकण और मुंबई के साकीनाका जैसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि महिलाएं और बच्चियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

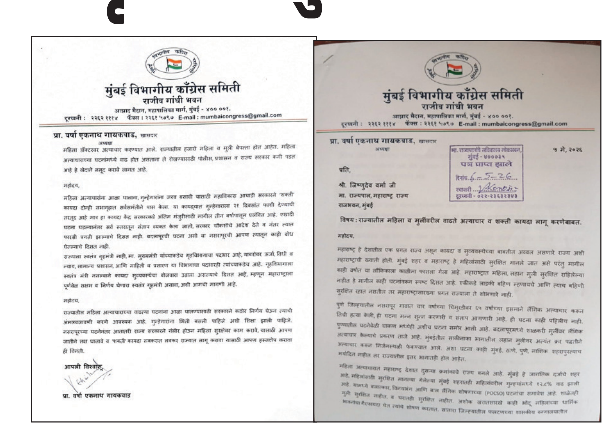
मुंबई विभागीय काँग्रेस समिति
राजीव गांधी भवन
प्रा. वर्षा एकनाथ गायकवाड, खासदार
अध्यक्षा
मुंबई विभागीय काँग्रेस समिति
राजीव गांधी भवन
प्रा. वर्षा एकनाथ गायकवाड, खासदार
अध्यक्षा
५ मे, २०२६
प्रति,
श्री. जिष्णुदेव वर्मा जी
मा. राज्यपाल, महाराष्ट्र राज्य
राजभवन, मुंबई
विषय: राज्यातील महिला व मुलींवरील वाढते अत्याचार व शक्ती कायदा लागू करणेबाबत.
महोदय,

**'शक्ति' कानून लागू करने की मांग**

गायकवाड ने बताया कि महाविकास आघाड़ी सरकार के दौरान 'शक्ति' कानून दोनों सदनों में पारित किया गया था, जिसमें गंभीर अपराधों के मामलों में 21 दिनों के भीतर सख्त सजा का प्रावधान है। हालांकि, यह कानून पिछले तीन वर्षों से केंद्र सरकार के पास लंबित है। उन्होंने इसे जल्द लागू करने की मांग की।

**पूर्णकालिक गृहमंत्री की जरूरत**

उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान में गृह विभाग का प्रभार मुख्यमंत्री के पास है, जिससे इस विभाग पर पूरा ध्यान नहीं दिया जा पा रहा है। इसलिए महाराष्ट्र में एक पूर्णकालिक और सक्षम गृहमंत्री की नियुक्ति आवश्यक है।

**अपराधों में बढ़ोतरी पर चिंता**

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य में महिला अपराधों में वृद्धि हुई है और मुंबई जैसे शहर में भी ऐसे मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गायकवाड ने कहा कि पुलिस और प्रशासन को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की जरूरत है ताकि अपराधियों में कानून का डर पैदा हो सके। अंत में उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे इस गंभीर विषय पर तुरंत ध्यान देते हुए महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दें।